विश्व न्याय मंदिर

4 जनवरी, 2026

विश्व के बहाइयों को संबोधित

परम प्रिय मित्रों,

नौ वर्षीय योजना के अगले चरण पर अपने सम्मेलन के लिए यहाँ पवित्र भूमि में एकत्र हुए महाद्वीपीय सलाहकार के मध्य पाँच दिवसीय गहन परामर्श आज समाप्त हो गया है, और हम आपको इस शुभ सम्मिलन के समापन पर यह संदेश भेज रहे हैं। हमने सलाहकारों से आपके अनेक प्रयासों, हर तरह की परिस्थितियों में हो रही प्रगति और इनसे समुदाय के हर स्तर पर सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने में कैसे मदद मिली है, इसके बारे में वर्णन सुना है। हमें वे विवरण जानकर प्रसन्नता हुई है कि कैसे, अनेक सहयोगी व्यवस्थाओं के द्वारा, समुदाय स्वयं योजना के कार्यों में एक अधिक गोचर नायक के तौर पर उभर रहा है। और उस जनसमुदाय में , जो बहाई गतिविधियों में अत्यंत उच्च स्तर मेंसहभागिता कर रहे हैं उन स्थानों पर जहां समाज के साथ , समुदाय के संबंध गहन हो रहे हैं और तेजी से उभर रहे हैं ,जो हो रहा है ,उससे हम आह्लादित हैं।

यह स्पष्ट है कि सलाहकारों द्वारा स्वयं इस विकास में दिए गए अहम योगदान को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केंद्र ने उनके प्रयासों में सुयोग्यता के साथ मार्गदर्शन दिया है। हम उनके अवलोकनों की तीक्ष्णता और उनके विचारों की स्पष्टता से प्रभावित हैं, दोनों में उन समुदायों के प्रति उनका प्रेम साफ़ झलकता है जिनकी वे सेवा करते हैं। उनके परामर्श का आधार वह संदेश रहा है जो हमने उनके सम्मेलन के प्रथम दिन दिया था और जिसे अविलंब सभी राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं को भेज दिया गया था ताकि इसे बगैर किसी विलंब के आपके साथ साझा किया जा सके। कुछ ही समय में रिपोर्टों की एक अविरल धारा बहने लगी कि उत्सुक मित्रों के समूह, यहाँ तक कि वे लोग भी जो अन्य उद्देश्यों के लिए एकत्र हुए थे, संदेश का अध्ययन कर रहे थे। हम सुदूर तक व्याप्त उन साक्ष्यों से अत्यंत प्रभावित हुए कि बहाई जगत ने पिछले चार वर्षों में जो सीखा है उसे शीघ्रता से समझने की आकांक्षा है और यह पता लगाने की अभिलाषा है कि अगले पाँच वर्षों में योजना को और आगे बढ़ाने के लिए क्या अवश्य ही करना होगा। यह आने वाले महीनों में आयोजित होने वाले अनेक संस्थागत सम्मिलनों का भी केंद्र बिन्दु होगा, जिनके दौरान, निसंदेह, सलाहकार यहाँ हुए विचारविमर्शों- से उभरी अन्तर्दृष्टियाँ साझा करेंगे।

रिजवान में, नौ वर्षीय योजना का प्रथम चरण समाप्त होगा और दूसरा चरण प्रारंभ होगा। आगे बढ़ने का यह पल उन अनगिनत आत्माओं से जुड़ने का एक आदर्श समय है जिनके साथ चार वर्ष पूर्व यह योजना लागू की गई थी, और जिनकी संख्या उपासना बैठकों, शैक्षिक गतिविधियों और अन्य बहाई पहलों की ओर आकर्षित होने वाले मित्रों को सम्मिलित करने से अनगिनत रूप से बढ़ गई है। हम सभी को एक साथ चिंतन करने के लिए आमंत्रित करते हैं, चाहे वह विशिष्ट स्थानों पर हो, समुदाय के नियमित सम्मिलनों में हो, अथवा एकदूसरे के घरों में हो-, कि क्या सीखा गया है और क्या प्राप्त किया गया है। और हमें विश्वास है कि इस वैश्विक उद्यम की महत्ता पर विचार करते हुए आप यह भी विचारेंगे कि आपके और आपके घर और आपके समुदाय द्वारा उठाए गए कदम, योजना के उद्देश्य को पूरा करने में कैसे मदद कर सकते हैं।

बहाउल्लाह ने कहा है, "सत्य ईश्वर का सरोकार प्रकट करना है और लोगों का सरोकार है कि जो कुछ प्रकट किया गया है, उसका प्रसार करें।" सत्य ईश्वर ने जो कुछ प्रकट किया है, उसे हर ग्रहणशील हृदय तक पहुंचाने के लिए जो समर्पित, उत्साही, विविध प्रयास किए जा रहे हैं — कष्ट-ग्रसित मानवता को आशा प्रदान करना, विश्व भर में आध्यात्मिक नवीनीकरण के कार्य में एक सजग प्रतिनिधि बनने के साधन उपलब्ध कराना — ये आह्लाद एवं आश्चर्य ,आनंद एवं कृतज्ञता के अटल कारण हैं। ऐसी ही भावनाएँ हैं जो इस समय हमारे हृदयों में उमड़ रही हैं, और जिनके साथ हम आज ही बाद में बहाउल्लाह से उनकी पवित्र समाधि में याचना करेंगे कि वे आपको अपनी असीम कृपा से आशीर्वाद भेजें।

(हस्ताक्षरित विश्व न्याय मंदिर)